*Enhanced Edition
NEP 2020 Guidelines

तापसी

हिंदी उत्तर पुस्तिका

1

YBPL

तापसी-1

अध्याय-1- वर्णमाला

क) ठ ब ष घ द र स ध

ख) क, ब, ड, श, त, ज, ध, र, म, च, घ, ठ

ग) **स्वर**-अ, आ, इ, ई, उ, ऊ, ऋ, ए, ऐ, ओ, औ, अं, अः।
व्यंजन-क, ख, ग, घ, ड, च, छ, ज, झ, ञ, ट, ठ, ड, ढ, ण, त, थ, द, ध, न, प, फ, ब, भ, म, य, र, ल, व, श, ष, स, ह, क्ष, त्र, ज्ञ, श्र।

घ) इ, उ, ऋ, ऐ, ओ, अं, अः।

ङ) ग, च, झ, ट, ड, ण, थ, ध, ब, म, र, व, ष, ह, क्ष, ज्ञ, ङ, ढ़

अतिरिक्त व्यंजन- ड़, ढ़।

अध्याय-2: अमात्रिक शब्द

(क) नर, अब, चख, बस, थन, सड़क, नगर, कमल, अदरक, सरपट

(ख) नल, टब, बस, रथ।

(ग) गाजर, कमल, शलजम, थरमस।

(घ) कमल, जग, अजगर, अचकन, कटहल

(ड) श+र+ब+त
इ+ध+र
झ+ट+प+ट
स+च
न+ट+ख+ट

अध्याय-3: 'आ' की मात्रा

क) लाल, बाल, मान, बारह, राघव, दानव, नायक, कायर, शानदार, हाथरस।

ख) 1. छाता 2. बाजा, अनार

(ग) पा पाठशाला, पाठ
ना नायक, नाला
जा जानवर, जाल
दा दानव, दादा
सा साफ़, सामान

(घ) माला, जहाज, टमाटर, गाजर, कान

अध्याय-4 मात्राएँ 'इ' (ि) व ई (ी)

क) रवि, दिन, मित्र, कवि, मील, लीची, सीटी, नवीन।

ख) सितार, हाथी, चिमटा, परी, घड़ी, नारियल, खिड़की, छिपकली।

(ग) चीख, भीड़, रजनी, कवि, किताब, नवीन, रानी, कमीज, घड़ी, गाड़ी
(घ) स्वंय करें।
(ङ) स्वयं करें।

अध्याय-5 मात्राएँ: उ (ु)

(क) कुल, खुर, रूक, पुल, आलू, बापू, जूता, तराजू
(ख) 1. सूरज, चिड़िया, 2. चूहा, जूता
(ग) गुड़िया, चुहिया, कुटिया, बुढ़िया,
(घ) पालतू, दुकान, फूल, पशु, गुलाब, भूल, खुशबू, दूरी, सुराही, धूल।

अध्याय-6 मात्राएँ : ऋ (ृ)

(क) वृक्ष, मृग, कृश, घृत, कृपण, पृथक, अमृत, वृषभ।
(ख) नृप, वृषभ, गृह

अध्याय-7 मात्राएँ : ऐ

(क) सेब, शेर, रेत, देर, बेर, खेल, ढेर, केरल, करेला, नैया, खपरैल, भैरव, फैजाबाद, वैज्ञानिक।
(ख) पेड़, शेर, सेब, मेज।
(ग) वेतन, तेरा, सहेली, देवता, जलेबी, मेरा, शेरनी, हथेली, वेद, जेल।
(घ) पहेली, सवेरा, रेशम, अपने, सपने।
(ङ) बैल, मैला, थैला, बैग, जैसा।

अध्याय-8 मात्राएँ : ओ (ो) औ (ौ)

(क) नोट, ढोल, शोर, रोक, तोता, मोर, फौज, नौकर, हथौड़ी, सौदागर, नौजवान,
(ख) 1. मोर, ढोलक, 2. कौवा, पौधा, 3. तोता
(ग) घोड़ा, बोतल, बोलो, चलो, छोटा।
(घ) कौआ, पौधा, मौसम, नौका, दौलत।

अध्याय-9 मात्राएँ : अनुस्वार (ं) व चंद्र बिंदु (ँ)

(क) कंस, ढंग, शंख, रंग, तंग, पूँछ, छाँव, घूँघट, टाँग, काँच।
(ख) पँखा, झंडा, ऊँट।
(ग) चाँद, साँप, बंदर
(घ) स्वयं करें।
(ङ) स्वयं करें।

अध्याय-10 अः की मात्रा (:)

क) छः अतः, दुःख, फलतः पुनः, अक्षरशः, परिणामतः, अंतःकरण,।

अध्याय-11: 'र' का संयोजक, ('र' पदेन,˴˶)

क) गर्व, शर्म, कर्म, मर्ज़, बर्फ़, पर्स, सर्प, वर्षा, फर्ज़, खर्च, नर्स, हार्न, धर्म, मार्च, चर्च।

ख) उग्र, चक्र, ट्रक, भ्रम, ड्रेस, गृह, उम्र, ट्रेक्टर, ग्राम, फ्राक, प्रसाद, क्रिकेट।

ग) ब्रश, फ्रॉक, 3. नर्स, ट्रक, ड्राइवर।

घ) स्वयं करें।

अध्याय-12: संयुक्त वर्ण तथा आधे अक्षर

क) बच्चा, सत्य, छप्पर, लड्डू, मच्छर, स्टेशन, मक्खी, यज्ञ, रक्षा, डिब्बा, रस्सी, स्कूल,।

ख) रिक्शा, पिल्ला, चक्की, गन्ना, डिब्बा, कुत्ता

ग) 1. गुब्बारा, 2. बिल्ली, 3, मच्छर, मक्खी

अध्याय-13: छोटे करते काम बड़े

1. मौखिक: स्वयं करें। **2. लिखित:** 1. बड़े-बड़े महल छोटी-छोटी ईंटों को जोड़कर बनाए जाते हैं। 2. बड़ी-बड़ी मशीनें नन्हें- नन्हें पुर्जों के बल पर खड़ी की जाती हैं। 3. भरी हुई नदियाँ लहराती हुई चलती हैं। 4.कविता के माध्यम से कवि बालकों को संदेश दे रहा है कि इस संसार में छोटी-से-छोटी वस्तु का भी विशेष महत्त्व होता है।

बहुविकल्पीय प्रश्न (3) 1. (अ), 2 (अ) 3. (ब), 4. (ब) **(4)** 1. ✗ 2. ✓ 3. ✓ 4. ✓ 5. ✗ । **(5)** महल खड़े हैं बड़े-बड़े, बड़े-बड़े हैं यंत्र खड़े। सब मिलकर लग जाओ। तुम्हीं जिसे न कर पाओ।

भाषा की बात: (क) 1. बूँद 2. ईंट, 3. यंत्र 4.पुर्जा।

(ख) तरु वृक्ष; पानी नीर; पृथ्वी भूमि; अम्बर अनन्त

(ग) शलजम, मछली, लट्टू, ट्रक

(घ) बड़ा, बडे, बड़ी; बुरा, बुरे, बुरी।

सोचने-समझने की बात: 1. जब पेड़-पौधे सूख रहे हों और अत्यधिक गर्मी से व्याकुल हो **2.** बरसात में। **कुछ कहने की बात: 1.** जल जीवन का आधार है।

अध्याय-14: सदाचारी सुयश

1. मौखिक स्वयं करें **2. लिखित: 1.** सुयश कक्षा एक में पढ़ता है। **2.** सुयश का व्यवहार बड़ा मधुर है, इसलिए सभी लोग सुयश से प्रसन्न रहते हैं। **3.** सुयश ने अध्यापक जी को पर्स लाकर दिया। **4.** मुकुल ने सुयश को धन्यवाद इसलिए दिया क्योंकि व पर्स पाकर बड़ा प्रसन्न हुआ।

बहुविकल्पीय प्रश्न (3) (स) 2. (स), 3. (स) 4 (स)। **(4)** 1. प्यास, 2. पानी पीने, 3, दीवार, 4. पर्स। **(5)** 1. ✓ 2. ✓ 3. ✗ 4. ✗ 5. ✗ ।

भाषा की बातः

क) 1. सिर, फिर, गिर। 2. नीली, पीली, हरी।

ख) 1. उ, 2. आ, 3. उ, 4. आ, ई, 5. ई, आ, ई, 6. आ, ई।

ग) वास्तव, प्रसन्न, प्रार्थना, पर्स, सूचना, सहपाठी

घ) 1. (ब), 2.(द), 3(अ), 4(स)।

ङ) खाकर, चलकर, नहाकर, सोकर, पढ़कर, गाकर,

सोचने-समझने की बातः 1. जो पढ़ने में अच्छा हो, ईमानदार एवं मधुर व्यवहार वाला हो। **2.** सभी घण्टों की पढ़ाई पूरी होती है। एवं कोई कार्य पूरा करने में सहायता मिलती है। **3.** छात्र/छात्रा को अनुशासन, ईमानदारी, कर्त्तव्यनिष्ठा जैसी बातों का ध्यान रखना चाहिए। **कुछ करने की बातः** ईमानदार, अनुशासित, कर्त्तव्यनिष्ठा।

अध्याय-15: चूहे की दुष्टता

1 मौखिकः स्वयं करें। **2. लिखितः** 1. चूहा जंगल में भोजन की तलाश कर रहा था। 2. चूहा सर्प को देखकर जान बचाने के लिए भागा। 3. सर्प से बचने के लिए चूहा पेड़ पर चढ़ गया। 4. हंस ने चूहे को पंखों में छिपाकर सहायता की। 5. चूहे ने हंस के परोपकार के बदले दुष्टता दिखाई। 6. बिना किसी प्रयास के ही, बहेलिए के हाथ शिकार लग गया क्योंकि चूहे ने भीतर ही भीतर हंस के पंख कुतर दिए थे।

बहुविकल्पीय प्रश्न (3) 1.(स), 2.(स), 3.(ब), 5.(ब)। **(4)** 1. भोजन, 2. सर्प, 3. वृक्ष, 4. चूहा, 5. चूहे। **(5)** 1. ✗ 2. ✓ 3. ✗ 4. ✓ 5. ✓ । **(6)** 1. (स), 2. (द), 3(य), 4.(अ), 5.(ब)।

भाषा की बातः (क) दृष्टि, पंख, समीप। **सोचने - समझने की बातः 1.** यदि हंस चूहे की रक्षा न करता, तो सर्प चूहे को खा जाता। **2.** यदि चूहा हंस का पंख न कुतरता, तो हंस चुहे को लेकर उड़ जाता और दोनों की जान बच जाती। **3.** कहानी में चूहे को दुष्ट और हंस को परोपकारी इसलिए कहा गया है: क्योंकि चूहे ने दुष्टता दिखाई और हंस ने परोपकारिता।

अध्याय-16: जीवों से प्रेम करो

1. मौखिकः स्वयं करें

2. लिखितः 1. राहुल डंडे से बच्चों एवं कुत्तों को डराता है। **2.** कुत्ते राजीव से प्रेम करते है क्योंकि वह भी कुत्तों से प्रेम करता है। **3.** राजीव जीवों के प्रति प्रेम प्रकट करता है। **4.** राजीव के अध्यापक कहते हैं कि जीवों से प्रेम करने वालों से ही परमात्मा प्रसन्न रहता है। **5.** सुबह के समय राजीव के चबूतरे पर चिड़ियों के लिए दाना व रोटी के टुकडे होते है।

बहुविकल्पीय प्रश्न (3) 1. (स) 2. (अ), 3. (अ), 4 (स)। **(4)** 1. राहुल, 2. कुत्ते, 3. चबूतरे, 4. मिटट्ी। **(5)** 1. ✓ 2. ✗ 3. ✓ 4. ✓ । **(6)** 1. (द), 2. (य), 3. (अ), 4. (ब) ,5. (स)।

भाषा की बातः 1. आ, उ, 2. ओ, ई, 3. आ, ई, 4. ऊ, आ

सोचने समझने की बात **1.** हाँ, हमारी गली के आस-पड़ोस में कुत्ते रहते हैं। **2.** हम जीवों के प्रति दयालु व्यवहार करते हैं। **3.** हाँ, जीवों से प्रेम करना चाहिए। **4.** जीवों को इसलिए सताना नहीं चाहिए क्योंकि उनमें भी जान होती है।

कुछ कहने की बातः1. कुत्ता वफ़ादार होता है। **2.** यह घर के सभी सदस्यों से प्यार करता है। **3.** यह हमारे घर की रखवाली करता है। **4.** यह सदैव मनुष्यों के साथ रहता है। **5.** यह हमारा पालतू जानवर है।

अध्याय-17 विशालकाय प्राणी- हाथी

1. मौखिक

2. लिखित : 1. हाथी शाकाहारी प्राणी है। **2.** हाथी की टाँगें स्तंभ के आकार की होती हैं। **3.** हाथी के कान बड़े-बड़े पंखें के समान होते हैं। **4.** हाथी के देख-रेख करने वाले को महावत कहते हैं। **5.** हाथी भारी काम एवं बोझ उठाने के कामों में प्रयोग किया जाता है।

बहुविकल्पीय प्रश्न (3) 1.(ब), 2.(अ), 3.(अ), 4.(ब)। **(4)** 1. लंबी, 2. सूँड, 3. भारी, 4. आभूषण। **(5)** 1. ✗ 2. ✗ 3. ✓ 4. ✓ । **(6)** 1. (द), 2. (य), 3. (अ), 4. (ब), 5. (स)

भाषा की बातः

क) आ ई, आ ई। **ख)** भूमि, कीमती, शक्तिशाली, बुद्धिमान, सवारी **ग)** बल्ला, बल्लू, सिक्का, पक्का, पप्पी, छप्पर **घ)** कोट, आम, समोसा, मीरा।

सोचने-समझने की बातः 1. भारत में हाथी को इन्द्र देवता की सवारी के रूप में जाना जाता है। **2.** गणेश देवता का मुख हाथी के मुख के जैसा है।

कुछ कहने की बातः 1. हाथी एक विशालकाय प्राणी है। **2.** यह बहुत शक्तिशाली होता है **3.** यह शाकाहारी होता है। **4.** यह एक पालतू पशु है।

अध्याय-18 : पाबंद समय का

1. मौखिकः स्वयं करें। **2. लिखितः** 1. रोज समय पर उठकर मुर्गा जगाता है। 2. मौसम, बादल व बरसात पर समय की पाबंदी का उचित समय पर आकर बताई गई है। 3. सूरज और चंदा पर समय की पाबंदी का प्रभाव पड़ता है। 4. समय पर काम करने वाले का मनचाहा फल प्राप्त होता है।

बहुविकल्पीय प्रश्नः (3)1.(स), 2.(स) 3.(अ),

(4) (ब)। (4) 1.(द), 2.(स), 3.(ब), 4(अ)

(5) कविता की छूटी हुई पंक्तियाँः 1. चंदा रोज समय पर उगता है। मेघ घुमडते जल बरसाते।। 2. तरु फल-फूलों से लद जाते खूब मजे लेकर हम खाते।।

भाषा की बातः (क) सूर्य, सूरज, चंद्रमा, चंदा, पेड़, वृक्ष। **(ख)** 1. तैयारी, मौसम,

दौलत, शक्ति **(ग)** कली-कलियाँ मछली-मछलियाँ, पिचकारी-पिचकारियाँ, तितली-तितलियाँ, छिपकली-छिपकलियाँ **(घ)** आ, ई, ए, इ, उ, इ, ई, ै, ई।

सोचने समझने की बात: स्वयं करें।

कुछ कहने की बात: स्वयं करें।

अध्याय-19: सोच-समझकर काम करो

मौखिक : स्वयं करें। **लिखित : 1.** रचित के साथ ठोकर लगने की घटना घट गई थी। **2.** मम्मी ने रचित से सामने देखकर चलने के लिए कहा था। **3.** मोहित के हाथ में हथौड़ी दीवार में कील ठोकते समय लग गई थी। **4.** कपिल की उँगली में ब्लेड पेंसिल छिलते समय लग गया था। **5.** अखिल के सिर में चोट स्टूल पर चढ़कर रसोई की अलमारी से मिठाई का डिब्बा उतारते समय लग गई थी।

बहुविकल्पीय प्रश्न (क) 1. (स), 2. (ब), 3. (ब), 4. (ब) **(ख)** 1. स्कूल, 2. मोहित, 3. कपिल, 4. स्टूल। **(ग)** 1. ✓, 2. ✓, 3. ✓, 4. ✓ ।**(6)**1. (द), 2. (य), 3. (अ), 4. (ब), 5. (स)।

भाषा की बात : (क) रचित, कपिल, मोहित, मम्मी, हथौड़ी, डिब्बा।

(ख) ओ आ, ए ई इ, आ, ए।

सोचने-समझने की बात : 1. (क) नुकीली या धारों वाली वस्तुओं से न खेलें। (ख) बिजली के तारों को न छुएँ। (ग) आग से बचाव रखें। (घ) किसी भी शीशी की दवाई अपने आप न पिएँ। 2. (क) सड़क पर न दौड़ें। (ख) अवारा पशुओं से छेड़छाड़ न करें। (ग) सड़क जेब्रा क्रॉसिंग से पार करें। 3.पहले दायें देखें, फिर बायें देखें, तब जेब्रा कॉसिंग से सड़क पार करें।

कुछ कहने की बात :1. (क) खतरे का संकेत हमें खतरे से बचाता है। (ख) 1. आगे स्कूल है कृपया धीरे-धीरे चलें। 2. क्योंकि पेट्रोल एवं डीजल ज्वलनशील पदार्थ हैं।

अध्याय 20: होली है भाई!

1. मौखिक: स्वयं करें **2. लिखित: 1.** देव गुलाल और पिचकारी लेकर घर लौट रहा था। **2.** देव पिचकारी देखकर खुश हो रहा था। **3.** देव की मम्मी ने रंग टेसू के फूलों का बनाया। **4.** प्राकृतिक रंग हानि रहित होता है। **5.** रचना के रोने पर देव ने उससे कहा कि रोओ मत होली पर ऐसा ही होता है।

बहुविकल्पीय प्रश्न (1) 1.(स), 2. (ब), 3(ब), 4.(ब)। **(4)** 1. स्कूल, 2, मोहित, 3. कपिल, 4. स्टूल। **(5)** 1. ✓ 2. ✓ 3. ✓ 4. ✗। **(6)** 1. (द) 2. (य), 3. (अ), 4. (ब), 5. (स)

भाषा की बात: (क) लाभ, अच्छा, अप्रसन्न, दुश्मन, हँसना, शाम, महँगे।

(ख) पिचकारियाँ, मिठाइयाँ, बाल्टियाँ, पकौड़िया, साडियाँ, थैलियाँ।

सोचने-समझने की बात (क) होली का त्यौहार हमें प्यार से रहने का संदेश देता है। **(ख)** हमने इस वर्ष होली गुलाल से खेली एवं बहुत आनन्द उठाया।

अध्याय-21 : रेत का घर

मौखिक: स्वयं करें। **लिखित: 1.** सुनयना के पड़ोस में रेत का ढेर इसलिए लगा था क्योंकि उनके पड़ोस के मकान में मरम्मत का कार्य चल रहा था। **2.** पड़ोसी बच्चों को रेत फैलाने से रोकता था। **3.** समय मिलने पर सुनयना एवं नीहारिका रेत के ढेर पर आ बैठती थी। 4. सुनयना ने घर से पानी इसलिए मँगवाया, क्योंकि उसे रेत से घर बनाना था। 5. सुनयना ने रेत पर पानी डाला और नीहारिका का पैर रेत में प्रविष्ट करा दिया। इसके बाद सुनयना ने रेत के ढेर के ऊपर थप-थप की और उसका धीरे से पैर निकाल दिया। इस प्रकार रेत का घर बन गया। **6.** यह वाक्य निहारिका ने कहा था जब घर बनकर तैयार था।

बहुविकल्पीय प्रश्न (3) 1. (अ), 2. (स), 3. (अ), 4.(स)। **(4)** 1. बच्चे, 2. सुनयना, 3.नीहारिका, 5. ताली, **(5)** 1. ✓ , 2. ✗ , 3. ✓ , 4. ✗ , **(6)** 1. (द), 2. (स), 3.(अ), 4. (ब)।

भाषा की बात : (क) अज्ञान, असहयोग, असत्य। **(ख)** जल, नीर, गृह, बसेरा, जंगल, जंगलाज। **(ग)** बातें, रातें, कलियाँ, बाल्टियाँ। **(घ)** 1. चाय, 2. गाय, 3. अ, 4. बरफी।

सोचने-समझने की बात: 1. पिलम्बर, **2.** इलेक्ट्रिशयन, **3.** उत्तम घर की मुख्य विशेषता साफ स्वच्छ, हवादार एवं रोगाणुयुक्त होता है।

कुछ करने की बात: 1. मेरा घर छोटा है। **2.** मेरा घर सुंदर है। **3.** मेरे घर में सफाई पर विशेष ध्यान दिया जाता है। **4.** मेरे घर में सभी सदस्य बड़े प्यार से रहते है। **5.** मेरे घर का प्रत्येक सदस्य अपना-अपना कार्य करता है।

YELLOW BIRD PUBLICATIONS PVT. LTD.
EDUCATIONAL PUBLISHER

Regd. Off. : F-214, Laxmi Nagar, Delhi-110 092
Tel. : 91-11-4758 6784, 91-97116 18765
E-mail : yellowbirdpublications@gmail.com • info@yellowbirdpublications.com
Website : www.yellowbirdpublications.com